REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 13 | ISSUE - 9 | JUNE - 2024

महिलाओं के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका
(विशेष संदर्भ : पूर्वी चंपारण मोतिहारी)

डॉ. सुनील दीपक घोडके
सहायक प्राध्यापक, मीडिया अध्ययन विभाग,
महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार.

सारांश

भारतीय समाज सदैव से ही अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के लिए जाना जाता रहा है। इन परंपराओं में महिलाओं को सदैव से ही विशेष स्थान दिया गया है। आज के युग में मीडिया समाज का चौथा स्तंभ बन गया है। यह न केवल सूचनाओं का स्रोत है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विकास का भी एक महत्वपूर्ण साधन है।

कुंजी शब्द : मीडिया, महिला, सशक्तिकरण, शिक्षा एवं जागरूकता॥

प्रस्तावना

भारतीय समाज सदैव से ही अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के लिए जाना जाता रहा है। इन परंपराओं में महिलाओं को सदैव से ही विशेष स्थान दिया गया है। वे केवल घर की शोभा नहीं, बल्कि समाज की नींव भी हैं। स्त्रियों के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। प्राचीन काल से ही, महिलाओं को देवीदेवताओं का स्वरूप माना जाता रहा है। वे शक्ति, समृद्धि, और ज्ञान की प्रतीक हैं। देवी लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा, काली आदि अनेक देवियां महिलाओं के शक्ति और साहस का प्रतीक हैं। घर और परिवार में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे घर की रीढ़ होती हैं और परिवार के सभी सदस्यों की देखभाल करती हैं। बच्चों की परवरिश, शिक्षा, और संस्कारों में महिलाओं का योगदान अमूल्य होता है। वे घर में प्रेम, स्नेह, और सकारात्मकता का माहौल बनाए रखती हैं। आज के युग में महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, कला, राजनीति, खेल, और व्यवसाय जैसे सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। वे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं ने अनेक क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया है। महिलाएं सामाजिक और सांस्कृतिक धरोहर की वाहक भी हैं। वे पीढ़ी दर पीढ़ी रीतिरिवाजों, परंपराओं, और कलाओं को जीवित रखती हैं। महिलाएं लोकगीत, लोकनृत्य, हस्तशिल्प, और अन्य कलाओं के माध्यम से समाज को समृद्ध बनाती हैं। महिलाएं सकारात्मक बदलाव की भी प्रेरणा हैं। वे सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाती हैं और लोगों को जागरूक करती हैं। महिला सशक्तिकरण, बाल विवाह, दहेज प्रथा, और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों पर महिलाएं महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। आज के युग में मीडिया समाज का चौथा स्तंभ बन गया है। यह न केवल सूचनाओं का स्रोत है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और विकास का भी एक महत्वपूर्ण साधन है। भारतीय समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जागरूकता फैलाना: मीडिया महिलाओं से जुड़े मुद्दों, जैसे लैंगिक भेदभाव, घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, और बाल विवाह आदि के बारे में जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। यह लोगों को इन मुद्दों के बारे में शिक्षित करता है और उन्हें इनके खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करता है। सकारात्मक रोल मॉडल को प्रस्तुत करना: मीडिया सफल महिलाओं की कहानियों को प्रस्तुत करके महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। यह महिलाओं को दिखाता है कि वे अपनी क्षमताओं

पर विश्वास करके किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं। महिलाओं को आवाज देना मीडिया महिलाओं को अपनी राय और विचारों को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह महिलाओं को सामाजिक मुद्दों पर अपनी बात रखने और बदलाव लाने में योगदान करने का अवसर देता है। लैंगिक समानता को बढ़ावा देना मीडिया लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाकर लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ने में मदद करता है। यह महिलाओं और पुरुषों के बीच समान अवसरों और व्यवहार की वकालत करता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के खिलाफ लड़ाई मीडिया महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों को उजागर करके और इसके खिलाफ आवाज उठाकर महिलाओं की सुरक्षा में मदद करता है। यह महिलाओं को कानूनी सहायता और अन्य संसाधनों के बारे में जानकारी भी प्रदान करता है।

इस शोध आलेख का उद्देश्य:

- भारतीय समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करना।
- मीडिया द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने के विभिन्न तरीकों का मूल्यांकन करना।
- मीडिया में महिलाओं की छवि के बारे में चिंताओं का पता लगाना।
- महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मीडिया के उपयोग में सुधार के लिए सुझाव देना।

शोध पद्धति:

इस शोध आलेख में, हम निम्नलिखित शोध पद्धतियों का उपयोग करेंगे:

- साहित्य समीक्षा: हम महिलाओं के सशक्तिकरण और मीडिया की भूमिका से संबंधित मौजूदा शोध कार्यों का अध्ययन करेंगे।
- प्राथमिक डेटा संग्रह: हम पूर्वी चंपारण मोतिहारी की गृहणियों एवं कामकाजी100 महिलाओं से जो की 20 से 45 वर्ष के आयु की है। उनका प्रश्नावली के माध्यम से प्राथमिक डेटा एकत्रित किया है।

डेटा विश्लेषण:

- हम एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण विषयगत और मात्रात्मक तरीकों का उपयोग करके करेंगे। हम विषयों, पैटर्नों, और रुझानों की पहचान करने के लिए विषयगत विश्लेषण का उपयोग करेंगे। हम मात्रात्मक विश्लेषण का उपयोग डेटा को मापने और सांख्यिकीय निष्कर्ष निकालने के लिए करेंगे।

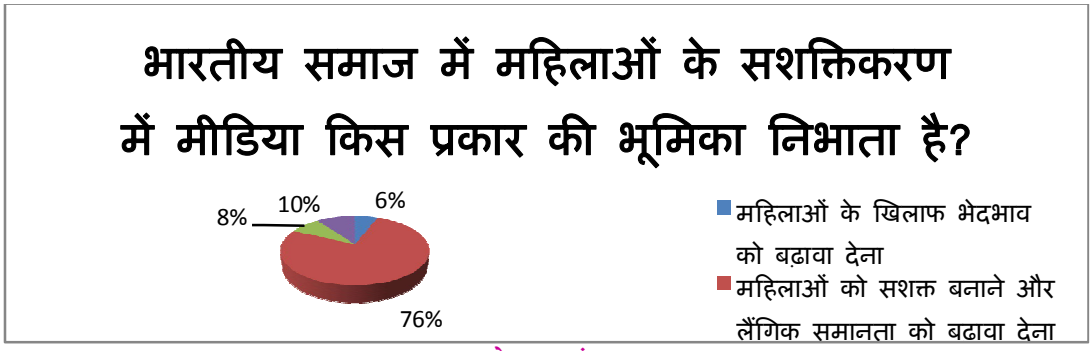

आरेख क्रमांक 1

विश्लेषण :आरेख संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि कुल 76 प्रतिशत लोगों ने यह माना कि महिलाओं को सशक्त बनाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। 10 प्रतिशत लोगों ने महिलाओं के मुद्दों को नजरअंदाज करना माना। 8 प्रतिशत लोगों ने महिलाओं को पुरुषों से कमतर दिखाना कहा है। 6 प्रतिशत लोगों ने महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देना है ऐसा स्वीकारा है।

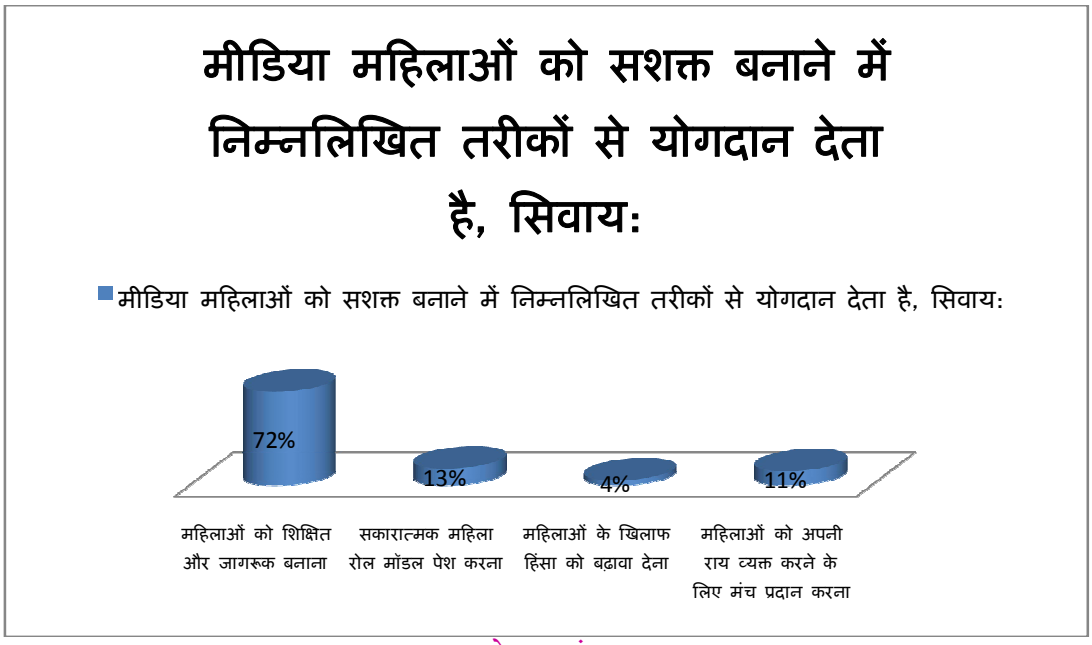

आरेख क्रमांक 2

विश्लेषण :आरेख संख्या 2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि कुल 72 प्रतिशत लोगों ने यह माना कि मीडिया महिलाओं को सशक्त बनाने में उक्त तरीकों से योगदान करता है। जिसमें महिलाओं को शिक्षित करना और जागरूक बनाना है।प्रतिशत लोगों ने कि सकारात्मक महिला रोल 13 मॉडल पेश करना माना है। जबकि11 प्रतिशत लोगों ने महिलाओं को अपनी राय व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान करना स्वीकार किया है। और प्रतिशत लोगों ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देना बताया है।4

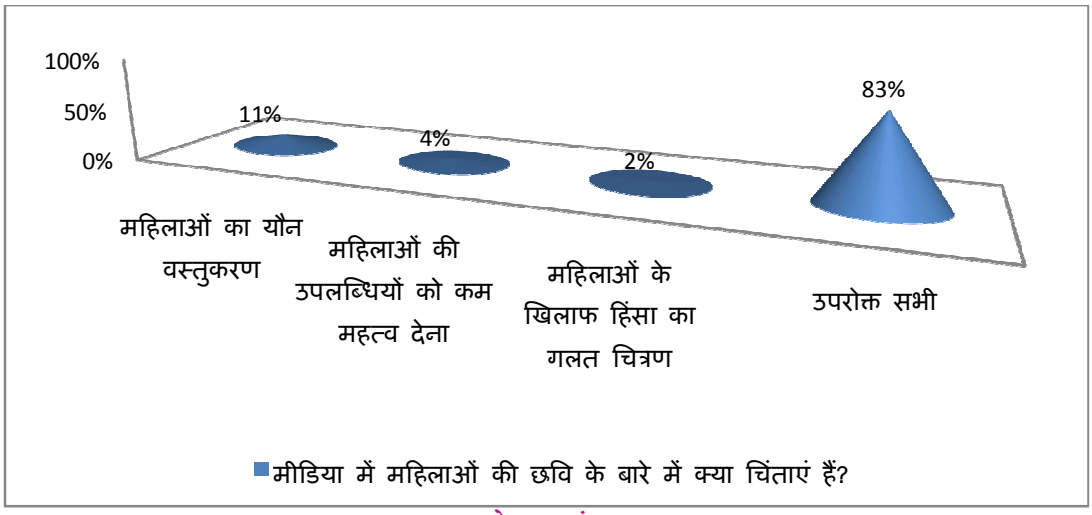

आरेख क्रमांक 3

विश्लेषण :आरेख संख्या3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि कुल 83 प्रतिशत लोगों ने यह माना कि मीडिया में महिलाओं की छवियों के बारे में उपरोक्त सभी कारणों को जिम्मेदार बताया है। प्रतिशत लोगों ने 4 प्रतिशत लोगों ने महिलयों का यौन वस्तुकरण बताया है। जबकि 11

प्रतिशत लोगों ने महिलाओं के खिलाफ ह2 महिलाओं की उपलब्धियों को कम महत्व देना बताया है। वहीं ंसा का गलत चित्रण बताया है।

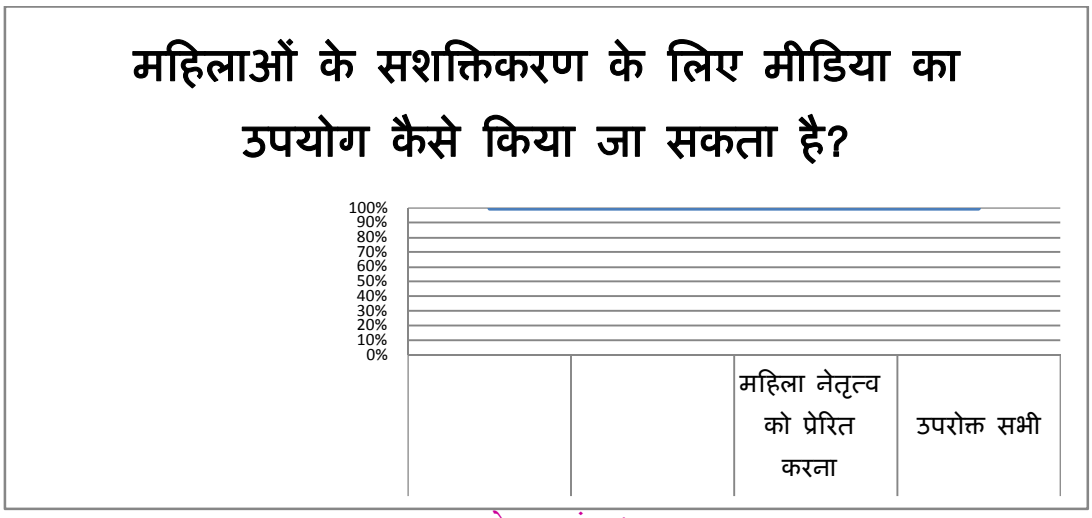

आरेख क्रमांक 4

विश्लेषण :आरेख संख्या 4 के अवलोकन से स्पष्ट है कि कुल 86 प्रतिशत लोगों ने यह माना कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए मीडिया का उपयोग उपरोक्त सभी उपायों से किया जा सकता है। वहीं प्रतिशत लोगों ने महिलाओं के7खिलाफ भेदभाव को उजागर करना माना तथा प्रतिशत लोगों ने महिला नेतृत्व को प्रेरित करना स्वीकार किया है।3 प्रतिशत लोगों ने महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना माना है।4

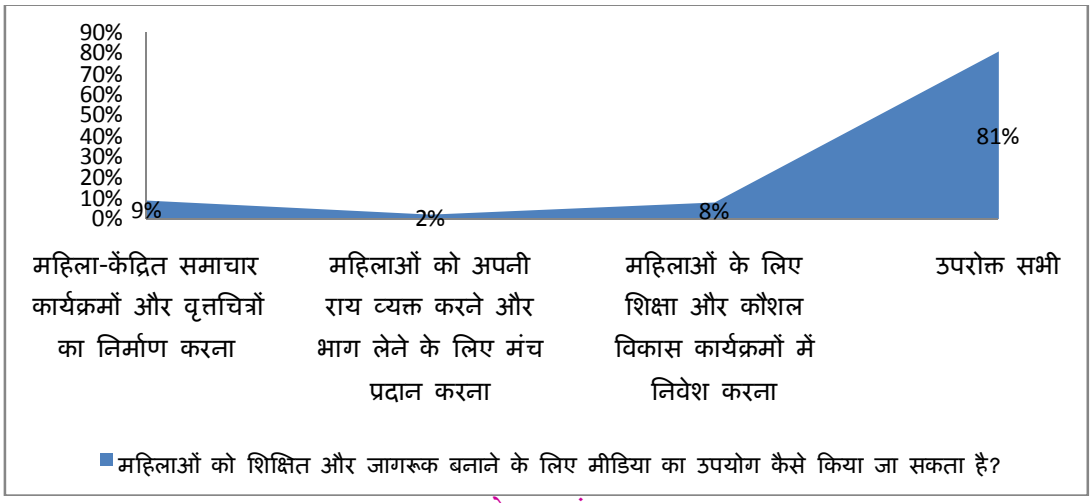

आरेख क्रमांक 5

विश्लेषण :आरेख संख्या 5 के अवलोकन से स्पष्ट है कि कुल 81 प्रतिशत लोगों ने यह माना कि महिलाओं को शिक्षित और जागरूक बनाने के लिए मीडिया का उपयोग उपरोक्त सभी उपायों से पूर्ण किया जा सकता है।प्रतिशत लोगों ने महिला केंद्रित समाचार कार्यक्रम 9 प्रतिशत लोगों ने महिलाओं के लिए शिक्8 और वृत्तचित्रों का निर्माण करना माना है। जबकिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश करना स्वीकार किया है तथा प्रतिशत लोगों ने महिलाओं को अपनी राय व्यक्त करने और भाग लेने के लिए मंच प्रदान करने की बात कही2 है।

निष्कर्ष :

भारतीय समाज में महिलाओं के सशक्तिकरण में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हमें मीडिया का उपयोग महिलाओं को सशक्त बनाने, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, और महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए करना चाहिए। हमें मीडिया में महिलाओं की सकारात्मक छवि को बढ़ावा देने और महिलाओं की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए भी प्रयास करने चाहिए। उक्त शोध आलेख के प्रश्न के निष्कर्ष मीडिया का कार्य महिलाओं को सशक्त बनाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। मीडिया का योगदान महिलाओं को शिक्षित करना और जागरूक बनाना है।हालांकि मीडिया में स्त्रियों की छवि का बाजारीकरण किया है लेकिन मीडिया ने सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करते हुए महिलाओं को समानता के दृष्टी से देखने का नजरीया भी विकसित किया है।

संदर्भ

पुस्तक संदर्भ

आर्य, राकेश कुमार. 2020. महिला सशक्तीकरण और भारत. डायमंड पॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड।
सिंह, इंद्रराज. 2020. महिला सशक्तिकरण. रिप्रो इंडिया लिमिटेड।
सिंह, सीमा. 2010. पंचायती राज और महिला सशक्तिकरण. विद्या विहार।
पांडे, मंजू. 2022. पर्यटन प्रबंधन और महिला सशक्तिकरण. ब्लू रोज़ पब्लिशर्स।
उपाध्याय, दयानन्द. 2020. महिला सशक्तिकरण में जनमाध्यमों की भूमिका. अंकिता पब्लिकेशन।

इंटरनेट लिंक :

https://humanhandstogether.com/blog/2017/10/22/media-portrayal-of-women/
https://www.jagran.com/jammu-and-kashmir/jammu-13014981.html
https://communicationtoday.net/2014/12/30/media-role-in-women-empowerment/
https://eprajournals.com/IJRV/article/6578
https://inspirajournals.com/uploads/Album/1629593098.pdf

डॉ. सुनील दीपक घोडके
सहायक प्राध्यापक, मीडिया अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार.